॥अष्टलक्ष्मी स्तोत्रम्॥

1.आदि लक्ष्मी:

सुमनसा वंदिता सुंदरी माधवि चंद्रा सहोदरि हेममये
मुनिगण वंदिता मोक्श प्रदायिनि मंजुला भाशिणि वेदनुते
पंकजा वासिनि देव सुपूजीता सद्गुण वर्शिणि शान्तियुते
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी आदिलक्ष्मी सदा पालय माँ||

2.धान्य लक्ष्मी:

आइकली कलमशा नाशनि कामिनिवैदिक रुपिणि वेदमये
क्षीरा समुद्रा भावा मन्गळ रुपिणि मंतरा निवासिनि मंतरा नुते
मन्गळदायिनि अम्बुजवासिनि देवगणाश्रित पादयुते
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी धान्यलक्शिम सदा पालय माँ||

3.धैर्या लक्ष्मी:

जया वारा वर्शिणि वैश्णवि भार्गवि मंतरा स्वरुपिणि मंतरा मये
सुरगण पूजीता सीघरा फलड़ा ज्णान विकासिनि शास्त्रनुते
भावा भाया हारिणि पाप विमोचनि साधु जनाश्रित पादयुते
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी धैर्या लक्ष्मी सदा पालय माँ ||

4.ग़ज़ा लक्ष्मी:

जया जया दुर्गति नाशनि कामिनी सर्वा फलप्रदा शास्त्रमये
रता ग़ज़ा तुरागा पदाति समाव्रुत परिजना मन्डित लोकनुते
हरिहरा ब्रह्मा सुपूजीता सेवित ताप निवारण पादयुते
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी श्री ग़जालक्ष्मी सदा पालय माँ ||

5. सन्तान लक्ष्मी:

आई खागा वाहिनी मोहिनि चक्रिणि राग विवर्धीनी ज़्णानमये
गुण गण वारधि लोकहितैशिणि सपतसवरा यूटा गानयुते
सक़ाला सुरासुर देव मुनीश्वर मानव वंदिता पादयुगे
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी सन्तान लक्ष्मी सदा पालय माँ||

6. विजया लक्ष्मी:

जया कमलासनि सदगति दायिनि ज्णान विकासिनि गानमये
अनुदिना मार्चीटा कुमकुंआ धूसारा भूषिता वासित वाद्यनुते
कनकधारा स्तुति वैभवा वंदिता सांकरा देशिक मान्य पदे
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी विजया लक्ष्मी सदा पालय माँ||

7. विद्या लक्ष्मी

प्रणत सुरेश्वरि भारती भार्गवि शोकविनासिनि रत्नमये
मणिमय भुशण कर्ण विभुशण शान्ति समाव्रुत हास्यमुखे
नवनिधि दायिनि कालीमाला हारिणि काम्य फलप्रदा हास्तयुते
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी विद्यालक्श्मि सदा पालय माँ||

8. धना लक्ष्मी:

धीमी धीमी धिन धीमी ढिंधिमी ढिंधिमी डुनडुबही नाद सुपुर्ण मये
गुमा गुमा गुँगूमा गुँगूमा गुमगुमा सांखा निनाद सुवाद्य नुते
वेद पुराण्यितिहास सुपूजीता वैदिका मार्ग प्रदर्शय
जया जयहे मधुसूदाना कामिनी विद्यालक्श्मि सदा पालय माँ||